

कविता - घर के चिशग

पाठ - विद्या पाने की लालसा

व्याकरण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास, वचन, कारक

कविता - घर के चिशग

1-6 lines QFM

I शब्दाथ - Page No - 25

ii नीचे दिए गए प्रश्नों के मांशिक उत्तर दीजिए:

क) दादी के घर में पोता-पोती और नानी के घर उनके

होता एवं दादी आग्रह थीं कि

ख) माँ बच्चों को डॉक्टर बनाना चाहती थी। दादी

अफसर और नानी उन्हें संस्कारी बनाने की इच्छा रखती हैं।

ग) बाबा बच्चों को इंजीनियर बनाना चाहते हैं तो

पापा कहते चाहते हैं कि वे कलेक्टर बनकर अपना जीवन और भविष्य सुधारें।

निश्चित अध्यास

1 क) ² ख) ¹ ग) ² घ) ² इ) ³

2 क) पोता - पोती ख) छारे ग) श्राव्य
घ) संगीत इ) अफसर

3 क) सोनू को संगीत पसंद है और वह बड़ा होकर एक संगीतज्ञ बनना चाहता है।

ख) मीना अपने भाई के लिए पापा से कहती है कि भैया संगीत पसंद है और आजकल टी.वी. के माध्यम से भी संगीतज्ञ बनने के अनेक मौके मिलते हैं।

ग) मीना अविवेक में अपने पापा के जैसी अफसर या इंजीनियर बनना चाहती है क्योंकि उसे पढ़ाई करना बहुत अच्छा लगता है।

शब्द ज्ञान

क) ल्यारे ख) हानी ग) द्योती घ) न्यारा

पौरुषार्थ

क) दिनभर ख) कब ग) पौष्टिक घ) धीरे
इ) कल च) गुनगुनी

पाठ - विद्या पाने की लालसा

Page No-47

I शब्दार्थ

II प्रश्नोत्तर (मौखिक अभ्यास)

क) संस्कृत भाषा को अधिकतर भारतीय भाषाओं की जननी

माना जाता है।

ख) सर विलियम जोन्स सन् 1783 ई में भारत आये।

ग) सर विलियम जोन्स न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होकर भारत आये थे।

घ) सर विलियम जोन्स ने संस्कृत में लिखी लिखी आभिज्ञानशाकुन्तलम्, श्रीमद्भगवद्गीता, मनुस्मृति, ऋतुसंहार, वेद आदि कई संस्कृत के ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद किया था।

लिखित - अभ्यास

1 क) 3 ख) 1 ग) 3 घ) 1

2 क) संस्कृत ख) सर विलियम जोन्स

ग) पालकी घ) आभिज्ञानशाकुन्तलम्

3) सर विलियम जोन्स इंग्लैंड के रहने वाले थे।

सन् 1783 ई. में वे न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होकर भारत आए।

ख) बचपन से ही सर विलियम जोन्स विद्या प्रेमी थे। विद्यालय की पढ़ाई छोड़ने के बाद भी व्यस्त रहने के बावजूद वे अध्ययन के लिए समय निकाल लेंते थे।

ग) कलकत्ता के राज्य पाण्डित किसी विदेशी को संस्कृत इसलिये नहीं पढ़ाना चाहते थे क्योंकि उन दिनों कोई भी सनातनी पाण्डित किसी विदेशी को देवभाषा संस्कृत को पढ़ाना अच्छा नहीं मानता था।

घ) पाण्डित रामलोचन ने संस्कृत पढ़ाने के लिए निम्नलिखित शर्तें रखी थी -

→ जब तक वे संस्कृत सिखेंगे, विलियम के घर में मांस नहीं आना चाहिए।

→ घर के भीतर बाहर पवित्रता का ध्यान रखा जाय।

शब्द - ज्ञान

क) तुलना ख) दिशा, तरफ ग) शुरू

घ) खजाना इ)

क) ध्यान न देना ख) अतिरिक्त ग) तथा

ग) अभ्यस्त घ) शब्द भण्डार

व्याकरण :

क) मोहन के द्वारा चित्र लिखा गया।

ख) मुझसे सोचा जाता है।

ग) उसके द्वारा सीठा फल खरीदा जाता है।

घ) छात्र गीत गाते हैं।

ङ) गीता दौड़ रही है।

च) मोहन से सोचा नहीं जाता।

छ) मेरी बहन के द्वारा चाय पी गई।

ज) अहमद फल खाता है।

झ) मुझसे चला नहीं जाता।

ञ) रोहन के द्वारा चित्र बनाया गया।

उपसर्ग

1. क) दूर ख) प्रति
- 2) क) अनुभव ख) प्रभाव ग) निडर
घ) बड़बूड़ इ) अनुसार
- 3) क) अनु कूल ख) उन चास
ग) उप ग्रह घ) शुश नसीब इ) परि शक्ति
च) ब काबू छ) नि पात ज) सत् आचार
- 4) क) उत्कर्ष ख) चिरपरिचित ग) निर्मल
घ) बदकिस्मत इ) संविधान च) गैर कानूनी

प्रत्यय

1. क) मूल शब्द के बाद ख) क्रिया के साथ
- 2) क) आन ख) आव ग) न घ) आडी
इ) उर च) आइट
- 3) क) कृत प्रत्यय ख) तद्धाति प्रत्यय
ग) तद्धाति प्रत्यय घ) तद्धाति प्रत्यय इ) कृत प्रत्यय
- 4) पहाड़ी, ऊँचाई, थकान, वपचन, धुमकड़,
ममेश, खरिया, कहानीयाँ, मिठास

1) क) तत्पुरुष समास में ख) द्विवचन समास में

2) क) ✓ ख) × ग) ✓ घ) × ङ) ×

3) क) शास्त्र के अनुसार - अव्ययीभाव समास

ख) शय से मुक्त - तत्पुरुष समास

ग) दान्य दो दान्य में - अव्ययीभाव समास

घ) नीला है जो कमल - कर्मधारय समास

ङ) चन्द्र जैसा मुख - कर्मधारय समास

च) लंबा है उदर जिसका - बहुव्रीहि समास

4) क) यथासमय ख) कानोंकान ग) गगनचुंबी

घ) मनचाहा ङ) कार्यकुशल च) आत्मानिर्भर

5) क) वखूबी - यथाविधि

ख) रत्नचालक, रसाईघर ग) नीलगगन, पदपंकज

घ) दीपदर, सप्तपदी ङ) भूख-प्यास, दानि-लाभ

कारक

- 1) क) नै ख) प्राणीवाचक
- 2) क) कर्ता ख) कर्म ग) करण घ) संप्रदान
 इ.) अपादान च) संबंध्य छ) अधिकरण ज) सेवाधन
- 3) ख) खेतों का - कर्मकारक
 ग) चाकू से - करणकारक
 घ) संख्या के लिए - संप्रदान कारक
 इ.) जहाज़ से - अपादान कारक
 च) भारत के - संबंध्य कारक
- 4) क) देवता समुद्र मंथन के लिए गए।
 ख) मैं आई की कार अच्छी है।
 ग) पूर्ण निष्ठा से कार्य करते रहे।
 घ) महात्मा बुद्ध ने अहिंसा का उपदेश दिया।
 इ.) हे अंगवान! इनको सब समझ आयेगी।
 च) सभी रंगों से शैली खेलते हैं।

वचन

1) क) नाली

ख) धोत्रागाण

2)

क) एकवचन

ख) एकवचन

ग) बहुवचन

घ) एकवचन

ड.) एकवचन

3)

क) कुम्हार ने बहुत सुंदर घड़े बनाए।

ख) मेरी आँखें रुक कर रही हैं।

ग) समुद्र के किनारे शिलाएँ पड़ी थीं।

घ) मिठाई पर माकश्याँ भिनाभिना रही हैं।

ड.) छुट्टियाँ होनेवाली हैं। घर चलेंगे।

च) तुम्हें कॉम सी जहनुब पसंद है।